श्रेष्ठगीत 5:2‑6
“मैं सोई हुई थी, पर मेरा हृदय जागा था।
सुनो! मेरा प्रिय खटखटा रहा है।
‘मेरी बहन, मेरी प्रेमिका, मेरी कबूतरिया, मेरी पूर्णा! मेरे लिए खुल जा,
क्योंकि मेरा सिर ओस से, मेरी जुल्फें रात की बूंदों से भीगी हैं।’
मैंने अपनी पोशाक उतार ली — क्या फिर से पहनूँ?
मैंने अपने पाँव धोए हैं — क्या फिर से गंदे कर लूँ?
मेरे प्रिय ने कुंडी‑खोलने से हाथ झोंका; मेरा हृदय उसके लिए धड़क उठा।
मैं उठी, अपने प्रिय के लिए दरवाज़ा खोलने को; मेरे हाथ मिर्री से टपक रहे थे, मेरी उँगलियाँ बहती हुई मिर्री से, बोल्ट की कुंडीओं पर।
मैंने अपने प्रिय को खोला, लेकिन मेरे प्रिय ने पीछे हट कर चले गए थे। मेरे प्रिय के जाने पर मेरा हृदय डूब गया। मैंने उन्हें ढूँढा पर नहीं पाया; मैंने पुकारा पर उन्होंने कोई उत्तर न दिया।”

धार्मिक चिंतन:
यह पद श्रेष्ठगीत से है, और यह हमें यह संदेश देता है कि मसीह

कैसे हर विश्वास करने वाले के हृदय को चाहता है। यहाँ दुल्हन उस आत्मा का प्रतिनिधित्व करती है जो मसीह के साथ के लिए तड़प रही है। उसका सो जाना इस प्रतीक है कि कभी‑कभी हम आध्यात्मिक रूप से सुस्त हो जाते हैं, या उनके बुलावे का तुरंत जवाब नहीं देते। लेकिन हृदय का जागा रहना यह बताता है कि हम अभी भी उनकी उपस्थिति के प्रति संवेदनशील हैं।

प्रिय के खटखटाने से यह दिखता है कि ईश्वर हमारा इंतज़ार करता है, धैर्यपूर्वक बुलाता है (खुलासा 3:20 जैसा); और यह भी कि हमारी देरी कभी‑कभी उन घनिष्ट अवसरों को खोने का कारण बन सकती है जो ईश्वर हमारे लिए तैयार करता है।

दुल्हन का यह सवाल कि क्या फिर से पोशाक पहनूँ या पाँव को फिर से गंदा कर लूँ, यह दर्शाता है आंतरिक संघर्ष — पुराने पापों या बाधाओं के रहते हुए नया जीवन अपनाने की चुनौती। हाथों में मिर्री का बहना, सुरभित खुशबू, समर्पण और ताज़गी का प्रतीक है।

हमें मसीह की चर्च से क्या सीखनी चाहिए?

खुलासा 3:20

“देखो मैं दरवाज़े पे खड़ा हूँ और खटखटा रहा हूँ; यदि कोई
मेरी आवाज़ सुने और दरवाज़ा खोले, तो मैं उसके पास आऊँगा,
उसके साथ भोज करूँगा, और वह मेरे साथ।”

यह बताता है कि मसीह ने हमें प्यार से बुलाया है — पहल उन्होंने की है; लेकिन हमें अपने हृदय का दरवाज़ा खोलना होगा।

बहुत लोग worldly (दुनियावी) व्यस्तताओं, भय, या यह सोचकर कि “अभी नहीं”, इंतज़ार करते हैं कि समय सही हो जाएँ। पर बाइबल हमें चेतावनी देती है कि बचत का समय अपराजेय है, और अवसर कभी‑कभी चूक जाते हैं।

“अब” की प्राथमिकता

यह निमंत्रण स्पष्ट है: अभी मसीह को अपनाओ। देर मत करो। उद्धार अभी‑अभी संभव है, लेकिन अनंत समय नहीं मिलेगा (इब्रानियों 3:7‑8 के विचार से)। देरी हो सकती है कि वह घनिष्ठ सम्बन्ध जो मसीह चाहता है, हमसे दूर हो जाए।

व्यावहारिक उपाय

यदि आज तुम महसूस करते हो कि ईश्वर तुम्हारे हृदय पर खटखटा रहे हैं, तुरंत उत्तर दो। इंतज़ार मत करो कि जीवन परिपूर्ण हो जाए या परिस्थितियाँ बदल जाएँ; यीशु अभी बुला रहे हैं।

यदि तुम तैयार हो उन्हें अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करने के लिए, तो किसी विश्वासी व्यक्ति, समुदाय या चर्च से संपर्क करो जहाँ तुम प्रार्थना और मार्ग‑दर्शन पा सकते हो। हम यहाँ हैं तुम्हारे साथ इस नए विश्वास के मार्ग पर चलने के लिए।

परमेश्वर तुम्हें ढेरों आशीष दे जब तुम उनके प्रेमिल बुलावे का उत्तर दो।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP

GROUP….

Share on:
WhatsApp